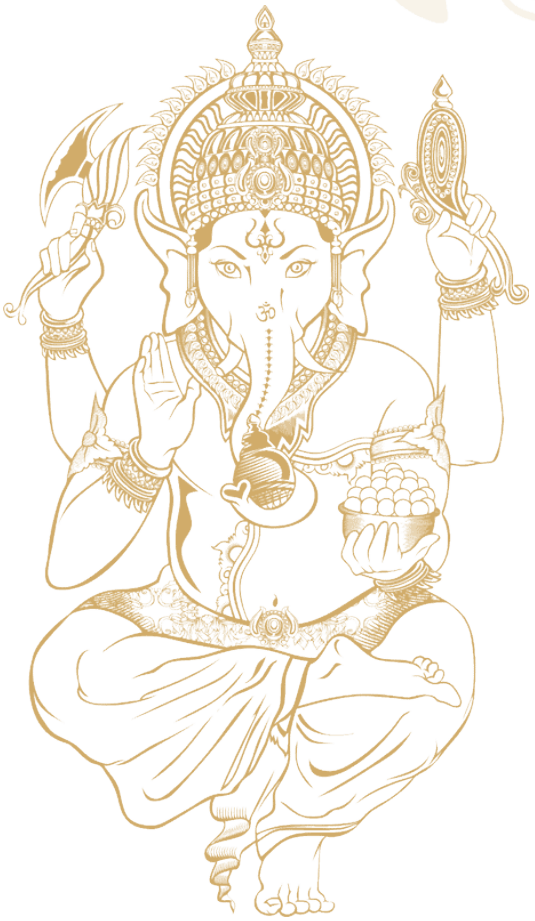

Himesh

Chanchal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119697904

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/09/1996	जन्म तिथि	27-28/12/1998
सोमवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 15:43:00	जन्म समय	01:29:00 घंटे
घटी 24:11:42	जन्म समय(घटी)	45:43:24 घटी
India	देश	India
Ghaziabad	स्थान	Indore
28:40:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
77:26:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:16	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:02:19	सूर्योदय	07:05:03
18:33:25	सूर्यास्त	17:49:45
23:48:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:24

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 3वर्ष 5मा 13दि	01:29:30	मक	लग्न	कन्या	26:08:54	केतु 6वर्ष 11मा 6दि
शुक्र	23:11:32	सिंह	सूर्य	धनु	12:01:11	शुक्र
22/02/2024	14:14:38	कर्क	चंद्र	मेष	00:07:25	04/12/2005
22/02/2044	05:55:54	कर्क	मंगल	कन्या	22:27:26	04/12/2025
शुक्र 24/06/2027	08:16:12	कन्या व	बुध	वृश्चि	21:46:10	शुक्र 04/04/2009
सूर्य 23/06/2028	14:03:43	धनु	गुरु	कुंभ	27:30:38	सूर्य 04/04/2010
चन्द्र 22/02/2030	08:33:14	कर्क	शुक्र	धनु	26:19:02	चन्द्र 04/12/2011
मंगल 24/04/2031	11:28:26	मीन व	शनि व	मेष	02:55:51	मंगल 02/02/2013
राहु 24/04/2034	14:20:08	कन्या व	राहु व	कर्क	29:25:25	राहु 03/02/2016
गुरु 23/12/2036	14:20:08	मीन व	केतु व	मक	29:25:25	गुरु 04/10/2018
शनि 22/02/2040	07:12:23	मक व	हर्ष	मक	16:54:13	शनि 04/12/2021
बुध 23/12/2042	01:21:44	मक व	नेप	मक	07:04:14	बुध 04/10/2024
केतु 22/02/2044	06:46:17	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	15:07:37	केतु 04/12/2025

लग्न-चलित

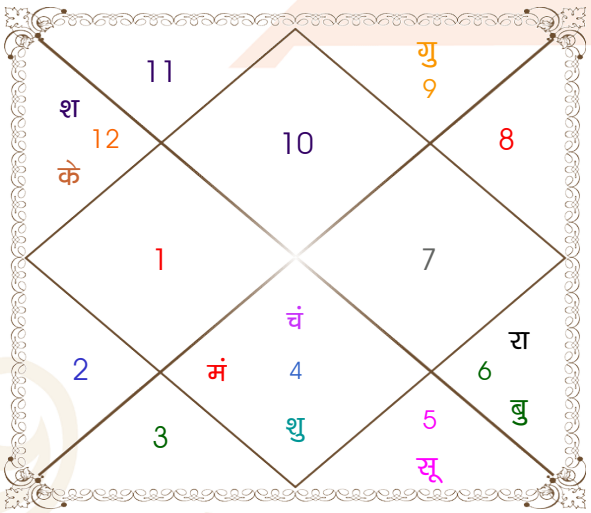

लग्न-चलित

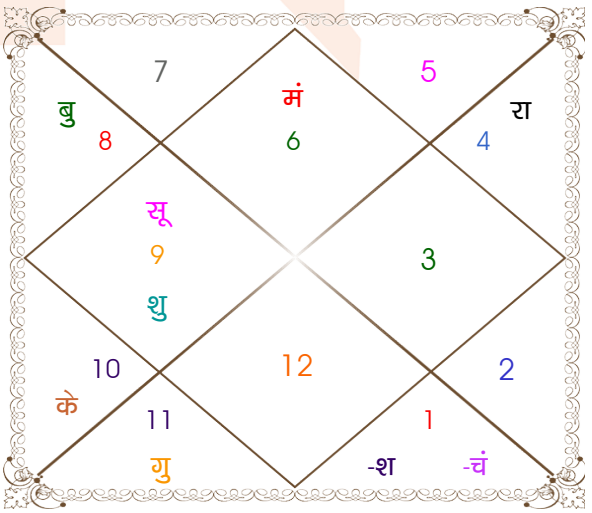

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.50		

भ्पउमेी का वर्ग श्वान है तथा बैंदबींस का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार भ्पउमेी और बैंदबींस का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

भ्पउमेी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल भ्पउमेी कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल भ्पउमेी कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र भ्पउमी कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

बैंदबींस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु बैंदबींस कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि भ्पउमी कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

भ्पउमी तथा बैंदबींस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।